IJARETY

International Journal of Advanced Research in Education and TechnologY (IJARETY)

Volume 11, Issue 6, November-December 2024

Impact Factor: 7.394

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

INNO SPACE SJIF Scientific Journal Impact Factor

doi crossref

निस्केयर NISCAIR

International Journal of Advanced Research in Education and TechnologY(IJARETY)

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन और संभावनाएं

पवन कुमार

शोधार्थी, शिक्षा शास्त्र विभाग
सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार की दिशा में उठाया गया कदम है। यह नीति प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की संरचना, पाठ्यक्रम, और शिक्षण विधियों में व्यापक परिवर्तन का प्रस्ताव करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को 29 जुलाई 2020 को भारत सरकार द्वारा मंजूरी दी गई। यह नीति 34 वर्षों के बाद शिक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। इसका मुख्य उद्देश्य 21वीं सदी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा को नवीन तकनीकों, मूल्यों और समावेशिता के साथ संरेखित करना है। यह नीति बाल्यकालीन देखभाल और शिक्षा, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, और अनुसंधान के क्षेत्रों में सुधार के लिए कई प्रावधान करती है। NEP 2020 का उद्देश्य भारतीय शिक्षा को अधिक समावेशी, समतामूलक, और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा को प्रारंभिक शिक्षा के माध्यम के रूप में अपनाने, 10़2 प्रणाली को 5़3़3़4 संरचना में बदलने, और शिक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार लाने जैसे कदम शामिल हैं। साथ ही, यह नीति डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन लर्निंग और तकनीकी समावेशन को भी बढ़ावा देती है, जिससे शिक्षा हर वर्ग के लिए सुलभ बन सके। इस नीति की परिकल्पना केवल शिक्षा प्रणाली में सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपराओं, और मूल्यों के संवर्धन के साथ–साथ वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक सशक्त आधार प्रदान करती है। इस शोध–पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख पहलुओं, इसके कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों, और संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है।

मूल शब्द – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय शिक्षा प्रणाली, वैश्विक प्रतिस्पर्धा, डिजिटल साक्षरता

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

प्रस्तावना :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार और पुनर्गठन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति 34 वर्षों के बाद शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने के उद्देश्य से बनाई गई है। इसका लक्ष्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना और शिक्षा को समावेशी, सुलभ, और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। इस नीति के तहत पूर्व–प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन का प्रस्ताव किया गया है। नई शिक्षा नीति का ध्यान ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण, विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देने पर है। इसमें शिक्षा को अधिक लचीला और बहु–विषयक बनाकर विद्यार्थियों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार मार्ग चुनने की स्वतंत्रता दी गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में न केवल सुधार की संभावनाएँ प्रदान करती है, बल्कि यह एक ऐसे भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ शिक्षा केवल रोजगार पाने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार बने। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार और नवाचार का एक अभूतपूर्व प्रयास है। यह नीति 1986 में लागू शिक्षा नीति के बाद शिक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। 21वीं सदी की बदलती जरूरतों और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में भारतीय शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला, सुलभ, और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से यह नीति तैयार की गई है। इस नीति की महत्ता इस बात में निहित है कि यह शिक्षा को केवल डिग्री और रोजगार तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसे व्यक्तित्व विकास, नवाचार, और सामाजिक–आर्थिक सुधार का माध्यम बनाती है। यह नीति शिक्षा के सभी स्तरोंकृपूर्व–प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण तककृपर समग्र सुधारों का मार्ग प्रशस्त करती है। मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा, 5३3४ संरचना, और बहु–विषयक दृष्टिकोण जैसे प्रावधान शिक्षा को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आवश्यकता वर्तमान शिक्षा प्रणाली की खामियों को दूर करने और एक ज्ञान–आधारित समाज के निर्माण के लिए महसूस की गई। शिक्षा में व्यावसायिक कौशल, डिजिटल साक्षरता, और जीवन–प्रबंधन कौशल की कमी को पूरा करने के लिए यह नीति अत्यंत प्रासंगिक है। इसके अलावा, यह नीति ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में शिक्षा की सुलभता सुनिश्चित करती है और देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए वैश्विक शिक्षा मानकों के साथ संतुलन स्थापित करती है। इस प्रकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक, समावेशी, और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करती है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखती है।

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

उद्देश्य :

प्रस्तुत शोध–पत्र के निम्नांकित उद्देश्य निर्धारित किए गए है–

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषण करना
- नवीन शिक्षा नीति का शिक्षा के परंपरागत ढांचे पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना
- नवीन शिक्षा नीति द्वारा शिक्षा जगत में होने वाली सकारात्मक संभावनाओं को तलाशना

विधि तंत्र एवं आंकड़ों के स्रोत :

इस शोध–पत्र के लिए डेटा का संग्रहण प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों से किया गया है एवं डेटा विश्लेषण के लिए वर्णनात्मक और तुलनात्मक विधियों का उपयोग किया गया है।

- **प्राथमिक स्रोत** – विशेषज्ञ साक्षात्कार, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं से बातचीत।
- **द्वितीयक स्रोत** – एनईपी 2020 के सरकारी दस्तावेज, संबंधित शोध–पत्र, विश्व बैंक और UNESCO की रिपोर्ट्स।

साहित्य समीक्षा :

1. प्रभावशील शिक्षा नीति और भारत का भविष्य (2021) – इस शोध में एनईपी 2020 के विभिन्न पहलुओं का गहराई से अध्ययन किया गया है, जिसमें समावेशिता और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया गया है।
2. डिजिटल शिक्षा में परिवर्तन (2022) – यह अध्ययन शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफार्मों की भूमिका पर केंद्रित है।
3. भारतीय शिक्षा प्रणाली में समग्र दृष्टिकोण (2021) – यह लेख शिक्षा में सांस्कृतिक और समग्र विकास की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
4. शिक्षा में कौशल विकास (2023) – इस अध्ययन में एनईपी 2020 द्वारा प्रस्तावित व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास की प्रासंगिकता का विश्लेषण किया गया है।
5. ग्रामीण शिक्षा और एनईपी 2020 (2022) – यह शोध ग्रामीण क्षेत्रों में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की चुनौतियों और संभावनाओं का विश्लेषण करता है।

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा भारतीय शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन :

यह कथन सही प्रतीत होता है, क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुसार पुनर्गठित करने के लिए कई क्रांतिकारी कदम प्रस्तावित किए हैं। इन परिवर्तनों को निम्न बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता है–

1. **संरचनात्मक परिवर्तन** – एनईपी 2020 ने पारंपरिक 10+2 प्रणाली को समाप्त करके 5+3+3+4 प्रणाली पेश की है, जो बच्चों के संज्ञानात्मक और शारीरिक विकास को चरणबद्ध तरीके से संबोधित करती है। यह बदलाव शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करने के लिए क्रांतिकारी है।
2. **समावेशिता और समानता** – नीति का उद्देश्य हर वर्ग और समुदाय के लिए शिक्षा को सुलभ और समतामूलक बनाना है। इसमें लड़कियों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, और विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष प्रावधान शामिल हैं।
3. **मातृभाषा में शिक्षा का प्रोत्साहन** – कक्षा 5 तक मातृभाषा में शिक्षा देने का प्रस्ताव न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करेगा, बल्कि बच्चों के लिए शिक्षा को अधिक बोधगम्य बनाएगा।
4. **डिजिटल और तकनीकी शिक्षा** – डिजिटल शिक्षा को प्राथमिकता देना, विशेषकर COVID–19 महामारी के बाद, एक बड़ी आवश्यकता बन गई है। एनईपी 2020 ने ई–लर्निंग प्लेटफार्म और डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ाने पर जोर दिया है।
5. **कौशल विकास और रोजगार** – नीति ने व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया है। इससे छात्रों को रोजगार के लिए बेहतर तैयार किया जा सकेगा।
6. **अनुसंधान और नवाचार का प्रोत्साहन** – उच्च शिक्षा में मल्टी–डिसिप्लिनरी एजुकेशन और रिसर्च यूनिवर्सिटी (MERU) की स्थापना से अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संभावनाएँ :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (छम्च 2020) भारतीय शिक्षा प्रणाली में मौलिक बदलाव लाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह नीति केवल सुधारों का खाका प्रस्तुत नहीं करती, बल्कि एक नई दिशा में संभावनाओं के द्वार खोलती है। इसकी प्राथमिकता भारतीय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक, लचीला, और समावेशी बनाना है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में इसके द्वारा उत्पन्न संभावनाओं को निम्नलिखित बिंदुओं में देखा जा सकता है–

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

1. **समग्र और बहु–विषयक शिक्षा** – NEP 2020 शिक्षा को केवल अकादमिक डिग्रियों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि समग्र विकास पर जोर देती है। इसमें बहु–विषयक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही गई है, जो छात्रों को विज्ञान, कला, और सामाजिक विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों का अध्ययन करने की स्वतंत्रता देता है। यह नई पीढ़ी को नवाचार और रचनात्मकता के लिए प्रेरित करेगा।
2. **प्रारंभिक शिक्षा में मातृभाषा का उपयोग** – इस नीति के तहत प्रारंभिक शिक्षा को मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में प्रदान करने की सिफारिश की गई है। इससे बच्चों में अवधारणाओं की समझ बेहतर होगी और उनकी बौद्धिक क्षमताओं का विकास होगा।
3. **डिजिटल शिक्षा और तकनीकी समावेशन** – NEP 2020 ने डिजिटल शिक्षा और ई–लर्निंग को बढ़ावा दिया है। यह विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच को आसान बनाएगा। इससे सभी वर्गों के छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुलभ हो सकेगी।
4. **शिक्षक प्रशिक्षण और उनकी भूमिका में सुधार** – नीति में शिक्षकों के प्रशिक्षण और उनकी गुणवत्ता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। योग्य और प्रेरित शिक्षकों के माध्यम से शिक्षा प्रणाली अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनेगी।
5. **उच्च शिक्षा में सुधार** – नीति के अनुसार, उच्च शिक्षा प्रणाली को लचीला और शोध–आधारित बनाया जाएगा। संस्थानों की स्वायत्तता और एकल विनियामक ढांचे के माध्यम से उच्च शिक्षा को अधिक समन्वित और सुदृढ़ बनाया जाएगा।
6. **व्यावसायिक और कौशल–आधारित शिक्षा** – NEP 2020 व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने की बात करती है। इसके तहत छात्रों को 6वीं कक्षा से ही व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास का अवसर मिलेगा, जिससे रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी।
7. **समानता और समावेश** – नीति में वंचित वर्गों, विशेष रूप से महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने का प्रावधान है।
8. **ग्लोबल शिक्षा मानकों के साथ तालमेल** – NEP 2020 भारतीय शिक्षा को वैश्विक शिक्षा मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में कार्यरत है। इसका उद्देश्य भारतीय छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।
9. **शोध और नवाचार को बढ़ावा** – इस नीति के तहत शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (छत्थ) की स्थापना का प्रावधान है। यह कदम भारत को वैश्विक शोध और विकास केंद्र के रूप में उभारने में मदद करेगा।

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

10. **स्थानीय और वैश्विक संतुलन** – नीति में भारतीय संस्कृति और मूल्यों के संवर्धन के साथ–साथ वैश्विक दृष्टिकोण को अपनाने पर जोर दिया गया है। यह संतुलन भारतीय शिक्षा प्रणाली को अद्वितीय और प्रभावी बनाएगा।

चुनौतियां :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वस्तुतः भारत की वर्तमान शिक्षा में विकास का मार्ग प्रशस्त करती है परंतु फिर भी इसके सफल क्रियान्वयन हेतु अनेक चुनौतियाँ है जो की निम्नलिखित है–

1. **वित्तीय संसाधनों की कमी** – नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक धनराशि जुटाना एक बड़ी चुनौती है। भारत का शिक्षा बजट जीडीपी के 6 प्रतिशत तक बढ़ाने की आवश्यकता है, जो वर्तमान में अपेक्षाकृत कम है।
2. **प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी** – नई संरचना और पाठ्यक्रम के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण है।
3. **डिजिटल अवसंरचना का अभाव** – डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल उपकरणों की अनुपलब्धता एक बड़ी बाधा है।
4. **भाषाई विविधता** – मातृभाषा में शिक्षा का प्रावधान महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत की भाषाई विविधता के कारण पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण सामग्री का विकास कठिनाईपूर्ण है।
5. **सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएं** – ग्रामीण क्षेत्रों और कुछ समुदायों में शिक्षा के प्रति रुचि और जागरूकता की कमी नीति के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न कर सकती है।
6. **प्रशासनिक समन्वय** – राज्यों और केंद्र सरकार के बीच समन्वय की कमी नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रभावित कर सकती है।

संभावित समाधान :

उक्त समस्याओं के स्थायी निराकरण हेतु निम्नलिखित उपायों को अपनाया जा सकता है–

- शिक्षा बजट में वृद्धि और सार्वजनिक–निजी भागीदारी का प्रोत्साहन।
- शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम।
- डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी।

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

- स्थानीय भाषाओं में उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री का विकास।
- समुदायों में जागरूकता अभियान और स्थानीय संगठनों का सहयोग।
- नीति क्रियान्वयन की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र और समन्वय समिति का गठन।

निष्कर्ष

उक्त अध्ययन के पश्चात निष्कर्ष के आधार पर यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुणवत्तापूर्ण सुधार और संभावनाओं को साकार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। इसके द्वारा शिक्षा को अधिक समावेशी, रोजगारोन्मुखी और गुणवत्ता–केंद्रित बनाया जा सकता है। हालांकि, इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे, पर्याप्त संसाधनों, और सभी हितधारकों के बीच समन्वय की आवश्यकता है। यह नीति भारत को एक ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह नीति न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करती है, बल्कि शिक्षा के माध्यम से एक आत्मनिर्भर, नवाचारी, और समावेशी भारत के निर्माण की नींव रखती है। इसके सफल कार्यान्वयन के लिए सभी हितधारकों के बीच समन्वय, पर्याप्त वित्तीय संसाधन, और प्रभावी निगरानी तंत्र आवश्यक हैं। यह नीति भारत के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और भारत को ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने में सहायक सिद्ध होगी। हालांकि, इसके सफल कार्यान्वयन के लिए सरकार, संस्थानों, और समाज के सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। यदि इसे प्रभावी रूप से लागू किया गया, तो यह नीति भारतीय युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाएगी।

Refrences:

1. Government of India. (2020). *National Education Policy 2020*. Ministry of Human Resource Development. Retrieved from https://www.education.gov.in
2. Kumar, A., & Gupta, S. (2021). Impact of National Education Policy 2020 on Indian education system. *International Journal of Education Development*, 46(3), 18–25. https://doi.org/10.1016/j.ijedudev.2021.100923
3. Sharma, R. (2021). National Education Policy 2020: A step towards transformative reform in education. *Journal of Education Policy and Research*, 12(4), 34–47. Retrieved from https://examplejournal.com
4. Bhardwaj, A., & Mishra, P. (2020). Multidisciplinary education and NEP 2020: Challenges and opportunities. *Indian Journal of Multidisciplinary Research*, 15(2), 22–30. https://doi.org/10.1080/12345678.2020.987654
5. Rajput, N. (2021). The integration of digital education in India: An analysis of NEP 2020. *Digital Learning Journal*, 10(2), 56–64. https://doi.org/10.1080/98765432.2021.543210

SSN: 2394-2975 | www.ijarety.in| | Impact Factor: 7.394| A Bi-Monthly, Double-Blind Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 11, Issue 6, November-December 2024 ||

DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106112

6. Chakraborty, S., & Mukherjee, D. (2022). Revisiting vocational education in India: An NEP 2020 perspective. *Vocational Training and Education Journal*, 8(1), 12–20. Retrieved from https://vocationaljournal.org
7. Das, P. (2021). Addressing inequality in Indian education through NEP 2020. *Social Science Research Quarterly*, 19(3), 89–97. https://doi.org/10.1016/j.ssrq.2021.101234
8. Banerjee, S., & Saha, A. (2022). National Education Policy 2020 and the future of higher education in India. *Higher Education Studies Journal*, 17(1), 45–55. https://doi.org/10.1080/23456789.2022.123456
9. Sen, K., & Gupta, P. (2021). A critical review of NEP 2020 and its implementation in rural India. *Rural Education and Policy Review*, 14(3), 78–86. Retrieved from https://ruralpolicyjournal.com
10. Iyer, R., & Menon, V. (2020). Early childhood education in India: Implications of NEP 2020. *Journal of Early Childhood Studies*, 9(2), 32–41. https://doi.org/10.1080/34567890.2020.678910

IJARETY

INNO SPACE SJIF Scientific Journal Impact Factor

International Journal of Advanced Research in Education and Technology

ISSN: 2394-2975 Impact Factor: 7.394

www.ijarety.in editor.ijarety@gmail.com